

NOVEMBER MONTH PORTION

पाठ : 1. जागरुकता और संवेदनशीलता
2. मित्रता

04/11/20 : 1. क्रिया विशेषण
2. संबंध-वाचक
3. पद परिवर्तन और पद संबंध
4. वाक्य विचार

पाठ - जागरुकता और संवेदनशीलता

शब्दार्थ - Pg No - 86

नीचे दिए गए प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए:

क) एड्स क्या है ?

उ: एड्स ऐसी बीमारी है, जो सभी को बुरा देती है और मन में एक अजीब-सी हलचल और भय पैदा कर देती है।

ख) एड्स बीमारी किस विषाणु से पैदा होती है ?

उ: एड्स, एच आई वी नामक विषाणु से पैदा होता है।

ग) हम 'एड्स दिवस' कब मनाते हैं ?

उ: हम 'दिसंबर को 'विश्व एड्स दिवस' मनाते हैं।

घ) एड्सग्रस्त लोगों के साथ हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए ?

उ. इस के शक्तियों के साथ दया, करुणा, विश्वास, आपसी समझ, सद्व्यवहार, प्रेम और सौहार्द का व्यवहार करना चाहिए।

लिखित अभ्यास:

1. क) 7 से 10 वर्षों तक

ख) तपेदिक

ग) 1917 में

2. क) भय पैदा कर देता है।

ख) फच आईवी नामक वायरस से फैलती है।

ग) बहुत छोटे होते हैं।

घ) सूक्ष्मदर्शी यंत्र से ही देखा जा सकता है।

ङ) एलिजा टेस्ट और वेस्टर्न ब्लॉट टेकनीक से की जाती है।

3. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) A - Acquired -

I - Immune

D - Deficiency

S - Syndrome

प्राप्त किया हुआ

इम्यून

डिफिशियेंसी

सिंड्रोम

- प्राप्त किया हुआ

- शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता

- कमी

- लक्षणों का समूह

ख) जब घन आई वी वायरस शरीर के अन्दर चला जाता है तो उस व्यक्ति को घन आई वी संक्रमण से ग्रसित संक्रमित व्यक्ति कहते हैं। इस संक्रमित व्यक्ति को 7 से 10 वर्षों तक बीमारी पता नहीं लगती है। वह अन्य लोगों की तरह अच्छा खासा नज़र आता है। इसके बाद वह वायरस धीरे - धीरे उस व्यक्ति को संक्रमित करते जाते हैं। और उसे प्रेइस हो जाता है।

ग) फुइस किन - किन कारणों से हो सकता है ?
उद्घाटकों द्वारा दूषित सुइयों के प्रयोग करने से तथा मादक पदार्थों के सेवन हेतु जो दूषित सुइयाँ इस्तेमाल होती हैं। उनके द्वारा और जो लोग शरीर पर टेढ़ा गुदाई अस्वच्छ औजारों से खुदवाते हैं, उनसे भी हो जाता है।

* घन आई वी बीमारी से संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक सम्बन्धों से यह रोग हो जाता है।

* संक्रमित व्यक्ति के रक्त या रक्त पदार्थों को चूँबने से यह रोग हो जाता है।

* अगर माता संक्रमित है तो उसके दुग्ध पान से भी यह रोग बच्चे के शरीर में फैल जाता है। घ. घड़स के लक्षण ये हैं कि रोगी के बगल या जाँघों या गर्दन की ग्रन्थियाँ में सूजन आ जाती है। उस व्यक्ति को हमेशा बुकार रहने लगता है। मुँह और जीभ में सफेद चकल पड़ जाते हैं। ये लक्षण तपेदिक रोग के भी होते हैं। इसलिए उस व्यक्ति के रक्त की जाँच करवा लेनी चाहिए।

इ.) विश्व घड़स दिवस' अर्थात् 'दिसम्बर को सारे संसार में हम सबको लाल रिवन पहनकर घड़स के खिलाफ मुहिम के प्रति वचनबद्धता निभाने का और सभी देशों के बीच प्रकटता, आपसी समझ, दया-करुणा, विश्वास को बढ़ाने का संदेश दिया जाता है।

च.) इस पाठ से लोगों को संदेश मिलता है कि घड़सग्रस्त जो भी व्यक्ति, बच्चे, बूढ़े हैं उनके साथ छुपेछा का व्यवहार न करें। यह बीमारी धूल की बीमारी नहीं है।

गले लगाने, उनके साथ उठने-बैठने या दान्य मिलाने से यह रोग नहीं फैलता है, बल्कि इसमें जो सावधानी बरतनी चाहिए, वही करें। हमें प्रहसग्रस्त बच्चों, बड़ों या बूढ़ों का मनोबल बढ़ाना चाहिए।

शब्द ज्ञान

1. क) शुरू करना ख) प्रभावित करना, एक जमाना
ग) भारी संकट आ पड़ना घ) महामूर्ख

~~झ)~~

2. क) शारदा, भारती ख) दिवस, वासर
ग) मार्ग, राह घ) मूढ़, अनपढ़

ठ्याकरण:

समस्त पद बनाइए और समास का नाम लिखिए:

क) नीलकमल कर्मधारय

ख) चरणकमल कर्मधारय

ग) सप्ताह द्विवचन

घ) चौशह द्विवचन

ङ) पीताम्बर कर्मधारय

च) त्रिकोण द्विगु

घ) विद्यार्थन कर्मधारय

पाठ - मित्रता

शब्दार्थ - page No - 98

नीचे दिए गए प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए:

क) बाहरी संसार में अपना जीवन शुरू करने पर युवकों के सामने क्या कठिनाई आती है ?

उ: बाहरी संसार के समाज के सामने आने पर युवकों की जन-पहचान के लोग धड़ाधड़ बढ़ते जाते हैं। प्रश्न में ऊँहें सबसे बड़ी कठिनाई मित्र बनाने और मित्र चुनने में आती है।

ख) मनुष्य को किन लोगों की संगति में रहना चाहिए?

उ: मनुष्यों को उन लोगों के साथ मित्रता करनी चाहिए जिनके आचरण, स्वभाव आदि पर हम विचार कर चुके हों। हमें अधिक बड़े संकल्प और चाहुकाशों की मित्रता से बचना चाहिए।

ग) मित्र का चुनाव करते समय हमें किन बातों का

ध्यान रखना चाहिए ?

उ. मित्र का चुनाव करते समय हमें विवेक से काम लेना चाहिए। लोग कोई भी सामान खरीदते समय हमें उसके सौ गुण-दोष परख लेते हैं। पर किसी को मित्र बनाने से पहले आचरण, स्वभाव आदि का विचार नहीं करते। हँसमुख चेहरा, बातचीत का अच्छा ढंग, थोड़ी चतुर्दाई या साहस ये ही बातें किसी में देखकर चहलपट उसे मित्र बना लेते हैं।

लिखित अभ्यास :

1. क) हिन्दी साहित्य का इतिहास
 ख) 4 अक्टूबर, 1884
 ग) उत्तम वैद्वध की - श्री
 घ) पद्म प्रदर्शक के समान
2. क) मित्रों ख) संस्कार ग) विद्वान, विश्वासपात्र
 घ) मित्रता इ) सच्चे पद्म - प्रदर्शक, मित्र
 च) कुसंग
3. क) प्रकांत - अकेला
 कभी-कभी प्रकांत में चिंतन करना शांति प्रदान करता है।

अ) संस्कार - अच्छे गुण

उ: बालक को अच्छे संस्कार बचपन में घर से ही मिलते हैं।

ग) नियंत्रण - प्रतिबन्ध

माँ-बाप बच्चों पर नियंत्रण उनके अच्छे के लिए ही करते हैं।

घ) औषधि - दवाई

बीमार पड़ने पर डॉक्टर औषधि देकर इलाज करते हैं।

ड.) परश्व - जाँच

हर वस्तु को परश्वकर खरीदना अच्छा होता है।

5. क) विश्वासपात्र मित्र से जीवन में बड़ी भारी शिक्षा होती है। हमें अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि वे उल्लेखनीय सफलताओं से हमें दृढ़ करेंगे, दोषों और त्रुटियों से हमें बचावेंगे, पवित्रता और भयानक के प्रेम को पुष्ट करेंगे, जब हम कुमार्ग पर चल रहे होंगे तब वे हमें सचेत करेंगे, जब हम

हतात्साहित होंगे तब हमें उत्साहित करेंगे।

ख) जीवन में तीन भिन्न - भिन्न अवस्थाएँ होती हैं -

बाल्याकाल, छात्रावस्था, युवावस्था

बाल्याकाल की मित्रता में उथल - पुथल होती है।

बाल मैत्री में मज्जा करने वाला आनंद, मधुरता और

अनुरक्ति होती है। छात्रावस्था में मित्रता की

धुन सवार रहती है। मित्रता दृढ़त्व में उमड़, पड़ती है।

युवावस्था की मित्रता दृढ़, शांत और गंभीर होती है।

इस समय मित्र सच्चे पथ प्रदर्शक के समान

और आई के समान होने चाहिए।

ग) बाहरी संसार में आने पर कोई भी युवा पुरुष

ऐसे अनेक युवा पुरुषों को पा सकता है जो

उसके साथ बिगटर जाएँगे, नाचरंग में जाएँगे,

भोजन का निमंत्रण स्वीकार करेंगे। ऐसे जान -

पहचान के लोगों से कुछ हानि न होगी पर लाभ

भी नहीं होगा। अगर हानि होगी तो बड़ी आरि होगी।

घ) कुसंग का ज्वर सबसे अयानक होता है। यह केवल

नीति और सद्गुणों को ही नाश नहीं करता, बल्कि

बुद्धि का भी शय करता है।

शब्द ज्ञान:

लोकोक्तियाँ का अर्थ धाँटकर लिखिए

क) दोषी इवश निर्दोष पर दोषारोपण करना

ख) अधिक मेहनत फल कम

ग) बहुत कंजूसी करना

घ) पूरा लाभ उठाना

ङ) दो विपत्तियों में फँसना

च) खाने की वस्तु का आवश्यकता से बहुत कम होना

क्रिया विशेषण

Page No : 127

1. क) क्रिया विशेषण ख) नीचे

2. क) चारों ओर, ख) दिनभर ग) ठीक घ) बराबर
ङ) स्वतः

3. क) नीचे - स्थानवाचक क्रियाविशेषण

ख) सदा - कालवाचक "

ग) नेज़ी-से - शैनिवाचक "

घ) एक-एक करके - परिणामवाचक "

ङ) अचानक - शैनिवाचक "

च) बहुत अच्छी - परिणामवाचक

छ) ध्यानपूर्वक - शीतिवाचक

4) क) बाहर ख) इधर ग) कई बार

घ) ध्यानपूर्वक ड.) कम

5) क) साथ ख) अकसर ग) बेशक घ) केवल

ड.) शायद

संबंध बोधक

Page No - 130

1. क) दिशावाचक ख) तुलनावाचक

2. क) के तुल्य - सादृश्यवाचक

ख) की खातिर - हेतुवाचक

ग) के सहारे - साधनवाचक

घ) के बड़े - कालवाचक

ड.) के विरुद्ध - विरोधवाचक

च) के साथ - सहचरवाचक

3. क) के साथ - सहपाठी के संग कक्षा में जाओ।

ख) के आगे - कार के पीछे बसे रुकी हुई थी।

ग) के पास - समुद्र तट के निकट लोग टहल रहे थे।

घ) के इवाय - इमिष के माफत डाक बाँटी जाती है।

इ) के लिष - दवा के वास्ते पैसे भी तो चाहिए।

पद परिचय और पदबंध

Page No - 144

1. क) पद ख) पद परिचय

2. क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक, अजाती है क्रिया का कर्ता।

ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुषवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, पढ़ता है क्रिया का कर्ता।

ग) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक, 'वैद्य' विशेष्य का विशेषण।

घ) क्रिया, सकर्मक, संयुक्त क्रिया, कर्तृवाच्य, उत्तम पुरुषवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, वर्तमान काल, कर्ता - सभा, कर्म - खाना।

इ) क्रिया विशेषण, शक्तिवाचक, 'कला करो', क्रिया की विशेषता बताता है।

च) संबंधबोधक, स्थानवाचक, जमीन तथा खुदाई में संबंध बताता है।

क) समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, में तथा तुम को जोड़ रहा है।

ख) विश्रमयादिबोधक, संबोधनबोधक

क) संज्ञा पदबंध ख) सर्वनाम पदबंध

ग) विशेषण पदबंध घ) क्रिया पदबंध ङ) अव्यय पदबंध

वाक्य विचार

Page No - 150

1. क) वाक्य का ही एक भाग

ख) संज्ञा उपवाक्य

क) रंग-विरंग पंखोंवाली नितली फूल पर चुपके से बैठ गई।

ख) समारोह में आमंत्रित अतिथिगण अपने अनुभव सुना रहे थे।

ग) पेड़ पर बैठा पक्षी कलों को धीरे-धीरे खा रहा था।

घ) शिमला की ऊँची पहाड़ियाँ बर्फ से पूरी तरह ढँकी हुई थीं।

ङ) कोन में खड़ा बालक बहुत देर से कुछ सोच रहा था।

उ. अ) मैं दादी माँ को कंप्यूटर चलाना नहीं सिखाऊँगा।

ग) दादी माँ को कंप्यूटर चलाना सिखाऊँ ?

घ) क्या मैं दादी माँ को कंप्यूटर चलाना सिखाऊँ ?

ङ) मैं दादी माँ को कंप्यूटर चलाना सिखाना चाहता हूँ।

च) मैं दादी माँ को कंप्यूटर चलाना शायद ही सिख पाऊँ।

छ) यदि मैं चाहूँ, तो दादी माँ को कंप्यूटर चलाना सिखा सकता हूँ।

ज) वाह! मैं दादी माँ को कंप्यूटर चलाना सिखाऊँगा।

म. अ) बहुत तेज दौड़ा, परंतु जीत नहीं पाया।

अर्थात् वह बहुत तेज दौड़ा, तथापि जीत नहीं पाया।

ग) उसने निराशा लगाया, लेकिन शेर भाग गया।

जैसे ही उसने निराशा लगाया, शेर भाग गया।

घ) अच्छे अंक लाने हैं, इसलिये मेहनत करो।

मेहनत करो ताकि अच्छे अंक जायें।

ङ) मैं बीमार था, अतः विद्यालय नहीं आ सका।

चूँकि मैं बीमार था, विद्यालय नहीं आ सका।

क) ज्यों ही घंटी बजी

ख) तैयारी जीत नहीं पाया

ग) जैसे ही उसने निशाना लगाया ।

घ) ताकि अच्छे अंक आयें

ङ) बूँदों में बीमार था